Digitized by KMV College Library, Jalandhar

C100-3 2-12-17 (EVE)

Exam. Code : 216301
Subject Code : 6444

M.A. (Hindi) 1st Semester

HINDI SAHITYA KA ITIHAS

Paper—II

Time Allowed—3 Hours] [Maximum Marks—80

नोट :— यह प्रश्न-पत्र **दो** भागों में विभाजित है। निर्देशानुसार ही उत्तर दें।

भाग—क

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **आठ** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न **6** अंक का है : 8×6=48

1. साहित्येतिहास लेखन में गार्सा द तॉसी के योगदान पर प्रकाश डालिए।
2. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल द्वारा दिए वीरगाथा काल नाम के स्वरूप और सीमा पर चर्चा कीजिए।
3. आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी के द्वारा किए गए हिन्दी साहित्य के इतिहास के नामकरण पर विचार कीजिए। विशेषकर आदिकाल पर चर्चा कीजिए।
4. रासो काव्य का परिचयात्मक इतिहास लिखिए।
5. आदिकालीन काव्यधारा के किसी एक प्रतिनिधि रचनाकार की रचनाओं का वर्णन कीजिए।
6. भक्तिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि प्रस्तुत कीजिए।

Digitized by KMV College Library, Jalandhar

7. संतकवि कबीर के अवदान का विवेचन कीजिए।
8. जायसी से पूर्वकाल के किसी एक सूफी कवि और उसके काव्यग्रन्थ का परिचय दीजिए।
9. भक्तिकाल के राम-कृष्ण काव्येतर काव्य के किसी एक कवि और उसकी रचनाओं का परिचय दीजिए।
10. तुलसीदास की कृष्णभक्ति सम्बन्धि रचनाओं का वर्णन कीजिए।
11. रीतिबद्ध काव्य की प्रवृत्तियाँ और विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
12. रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि का परिचय दीजिए।

भाग-ख

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न **16** अंक का है :— 16×2=32

1. आदिकालीन साहित्य की विभिन्न काव्य धाराओं का विशिष्टतागत परिचय दीजिए।
2. सगुण भक्ति की विभिन्न काव्यधाराओं का वर्णन कीजिए।
3. रीतिकाल के नामकरण पर चर्चा करते हुए रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त काव्य की विविध विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

Digitized by KMV College Library, Jalandhar

Exam. Code : 216301
Subject Code : 6445

M.A. (Hindi) 1st Semester

BHARTIYA KAVYASHASTRA EVEM SAHITYA ALOCHANA

Paper—III

Time Allowed—3 Hours] [Maximum Marks—80

नोट :— यह प्रश्न पत्र **दो** भागों में विभाजित है। प्रत्येक भाग से निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।

(प्रथम भाग)

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **आठ** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 8×6=48

1. काव्य हेतु से आप क्या समझते हैं ?
2. सहृदय की अवधारणा को स्पष्ट करें।
3. ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद कौन-कौनसे हैं ? वर्णन करें।
4. काव्य में औचित्य का क्या स्थान है ? स्पष्ट करें।
5. वक्रोक्ति के भेदों पर प्रकाश डालिए।
6. रीति सिद्धान्त की प्रमुख स्थापनाएं कौन-कौनसी हैं ?
7. साधारणीकरण से आप क्या समझते हैं ?
8. अलंकार सम्प्रदाय की मूल स्थापनाओं का परिचय दीजिए।
9. रीति एवं शैली से आप क्या समझते हैं ?

Digitized by KMV College Library, Jalandhar

10. रस निष्पत्ति की अवधारणा पर प्रकाश डालिए।

11. काव्य प्रयोजन से आप क्या समझते हैं ? वर्णन करें।

12. ध्वनि सिद्धान्त की स्थापनाएं कौन-कौन सी हैं ? चर्चा करें।

(द्वितीय भाग)

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दें : 2×16=32

13. अलंकार सम्प्रदाय की परम्परा को स्पष्ट करते हुए अलंकारों का वर्गीकरण करें।

14. हिन्दी आलोचना के क्षेत्र में शैलीविज्ञान की प्रमुख प्रवृत्तियों की विस्तारपूर्वक चर्चा करें।

15. काव्य के लक्षण को स्पष्ट करते हुए काव्य के प्रकारों का वर्णन करें।

Digitized by KMV College Library, Jalandhar

Exam. Code : 216301
Subject Code : 6446

M.A. (Hindi) 1st Semester

PARYOJANMULAK HINDI

Paper—IV

Time Allowed—3 Hours] [Maximum Marks—80

निर्देश :—यह प्रश्न **दो** खंडों में विभाजित है। निर्देशानुसार उत्तर दें ।

खण्ड-एक

निर्देश :—निम्नलिखित किन्हीं **आठ** लघु प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न **6** अंकों का है। 8×6=48

1. सर्जनात्मक भाषा और माध्यम भाषा से आप क्या समझते हैं ?
2. प्रारूपण पर संक्षिप्त नोट लिखें।
3. पारिभाषिक शब्दावली का महत्व स्पष्ट करें।
4. वेब पब्लिशिंग पर प्रकाश डालें।
5. इंटरनेट संपर्क उपकरणों का परिचय दीजिए।
6. हिन्दी के प्रमुख इंटरनेट पोर्टल कौनसे हैं ?
7. कंप्यूटर के क्षेत्र कौन-कौनसे हैं ?
8. नेवीगेटर से आप क्या समझते हैं ?
9. इंटरनेट समय मितव्ययिता के सूत्रों के बारे में बताएं।
10. लिंक और ब्राउजिंग पर विचार कीजिए।

Digitized by KMV College Library, Jalandhar

11. निम्नलिखित सभी शब्दों का अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद कीजिए :—

Approach, Base, Calculation, Margin, Keyword, Display.

12. निम्नलिखित सभी शब्दों का अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद कीजिए :—

Call back decision, Call for the report, For information only, Copy enclosed, Minister has seen, Issue as amended.

खण्ड-दो

निर्देश :—निम्नलिखित किन्हीं **दो** विस्तृत प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न **16** अंकों का है। 16×2=32

1. मातृभाषा और राजभाषा पर विस्तारपूर्वक चर्चा करें।
2. पारिभाषिक शब्दावली के निर्माण के सिद्धान्त कौन-कौनसे हैं ?
3. कंप्यूटर की रूपरेखा को स्पष्ट करते हुए उसके महत्व पर प्रकाश डालें।

Digitized by KMV College Library, Jalandhar

Exam. Code : 216301
Subject Code : 6447

M.A. (Hindi) 1st Semester

HINDI NATAK OR RANGMANCH

Paper—V Opt. (i)

Time Allowed—3 Hours] [Maximum Marks—80

भाग एक

1. निम्नलिखित पद्यांशों/गद्यांशों में से किन्हीं चार की सप्रसंग व्याख्या करें। 4×6=24

(i) सेत सेत सब एक से, जहाँ कपूर कपास।
ऐसे देस कुदेस में कबहूं न कीजै वास।।

(ii) जहाँ न धर्म न बुद्धि नहीं, नीति न सुजान समाज।
ते ऐसहि आपुहि नसै जैसे चौपटराज।।

(iii) मैं उपहार में देने की वस्तु, शीतलमणि नहीं हूँ, मझमें रक्त की तरल लालिमा है। मेरा हृदय उष्ण है और उसमें आत्म-सम्मान की ज्योति है। उसकी रक्षा मैं ही करूंगी।

(iv) पुरुषों की प्रभुता का जाल मुझे अपने निर्दिष्ट पथ पर ले ही आया । मंदा ; यह दुर्ग-विजय मेरी सफलता है या मेरा दुर्भाग्य, इसे मैं नहीं समझ सकी हूँ।

(v) हर सत्य नया होता है, वह जिया जाता है। जो जिया न जा सके, उसे सत्य नहीं मानता।

(vi) जिस दिन एक असहाय ने घुटने टेक कर आंखों में आंसू भरकर दृश्य से अदृश्य की ओर देखा उसी दिन जन्म हुआ ईश्वर का, और वहीं से पनपी पहली राजनीति धर्म की।

Digitized by KMV College Library, Jalandhar

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दें :— 4×6=24

(i) 'अंधेर-नगरी' नाटक में राजा की न्याय-प्रक्रिया पर प्रकाश डालें।

(ii) गोवर्धन को फांसी क्यों दी जा रही थी और उसे गुरूजी ने कैसे बचाया ?

(iii) शंकराज किस आशंका से भयभीत हो उठा था ?

(iv) चन्द्रगुप्त ने ध्रुवस्वामिनी की रक्षा किस प्रकार की ?

(v) 'कर्तव्य और भावना' के संदर्भ में हरिश्चन्द्र और शैव्या के वार्तालाप पर प्रकाश डालें।

(vi) स्त्रीत्व से बड़ा, स्त्री का व्यक्तित्व होता है — स्पष्ट करें।

भाग दो

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के सारगर्भित उत्तर दें। 2×16=32

(i) 'अंधेर नगरी' नाटक का नामकरण उसके कथ्य पर पूर्णत: चरितार्थ होता है — स्पष्ट करें।

(ii) 'एक सत्य हरिश्चन्द्र' नाटक के उद्देश्य पर प्रकाश डालें।

(iii) 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक स्त्री मोक्ष की समस्या का सटीक चित्रण करता है — स्पष्ट करें।